an>

Title: Need to use modern technology to trace missing children.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर) ः बच्चे भारत का भविष्य हैं। उनके शैक्षणिक विकास एवं उनके कौशल विकास से देश का विकास संभव है। सरकार का ध्यान देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा गायब होने के आंकड़ें की तरफ आकर्षित करना चाहती हें। बच्चों के गुम होने पर उसके माता-पिता पर क्या बीतती है, उसे हम सभी महसूस कर सकते हैं। बच्चों का अपहरण कर कई गिरोह उनके अंगों को विकलांग कर उनसे भीख मंगवा रहे हैं। कई बच्चों का अपहरण इसलिए किया जाता है कि उनके लीवर और किडनी निकालकर किडनी और लीवर से पीड़ित अमीर वर्ग के लोगों को उपलब्ध करवाया जा सके। अरब के देशों में बच्चों की तस्करी की जा रही है। इस तरह से भारत में बच्चे असुरक्षित हो रहे हैं। भारत में लगभग एक लाख बच्चे हर साल गायब हो रहे हैं जो अपेक्षाकृत अन्य देशें से ज्यादा हैं। चीन में एक साल में दस हजार और पाकिस्तान में एक साल में तीन हजार बच्चे गायब होते हैं। भारत में 2015 में 2014 की अपेक्षा बच्चों के गुम होने में 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मैं उन कई संस्थानों का धन्यवाद देती हूँ जो बच्चों को ढूंढने के कार्य में लगे हैं और उन्होंने इसके लिए कई वेबसाईट बनाई हुई हैं। देश में गुम हो रहे बच्चों के मामले में सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और इसके लिए पुलिस व्यवस्था पर फटकार भी लगाई है।

अतः सरकार से अनुरोध है कि गुम हो रहे बच्चों को ढूंढने में आधुनिक तकनीकी का उपयोग किया जाये और इसके लिए विशेष अभियान समय-समय पर चलाया जाए और इस मामले में दोषियों को सख्त सजा दी जाये।